प्रार्थना के लिए मनोरथ पद

1. सर्वशक्तिमय राम जी, अखिल विश्व के नाथ।
शुचिता सत्य सुविश्वास दे, सिर पर धर कर हाथ।।

2. सुधरुं मैं सुशील बन,पालन कर आचार।
धर्म कर्म में रत्त रह, सब कुव्यसन निवार।।

3. हे राम ! मुझे दान कर, अपना सिमरन आप।
लगन प्रेम से मैं जपूं, परम पुण्यमय जाप।।

4. मुझे भरोसा राम तू, दे अपना अनमोल।
रहूं मस्त निश्चिन्त मैं, कभी न जाऊं डोल।।

5. तेरा मेरे राम जी, नाम बसे मन बीच।
एकतारता चित्त हो, मिटे वासना नीच।।

6. अनन्य सुभक्ति राम दे, परा प्रीति कर दान।
अविचल निश्चय दे मुझे, अपने पद का ज्ञान।।

7. जगे चेतना विमलतम, हो सत्य सुप्रकाश।
शान्ति सर्व आनन्द हो, पाप ताप का नाश।।

8. हे राम! मुझे दीजिए, अपनी लगन अपार।
अपना निश्चय अटल दे, अपना अतुल्य प्यार।।

9. माता ! मुझे निहारिये, मिष्ट प्रेम के संग।
आशिष कर को फेरिये, ले अपने उत्संग।।

10. तू जगदम्बे मात हे, जान मुझे स्वबाल।
अपने अमृत प्रेम से, करिये सींच निहाल।।

11. हे राम! मुझे दान दे, अनन्य सुभक्ति आप।
कर्मयोग में मैं लखूँ, तेरी रास अपाप।।